वित्त मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री एम. वी. चन्द्रशेखर मूर्ति) : औद्योगिक कामगारों (सी०पी०आई०आई० डब्ल्यू०) के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू०पी०आई०) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित वर्ष 1991-92 में तारीख अनुसार उपलब्ध मुद्रास्फीति दर नीचे दर्शायी गई है :

वर्ष	महीना	सूचकांक		वार्षिक मुद्रास्फीति (प्रतिशत)	
		डब्ल्यू. पी. आई.	सी. पी. आई.	डब्ल्यू पी. आई.	सी. पी. आई–आई. डब्ल्यू.
1993	जुलाई	202.8	214	13.1	13.2
1994	जुलाई	271.3	281	11.6	11.1
1995	8 अप्रैल	285.1	291	9.0	9.8*

* सी. पी. आई.—आई. डब्ल्यू. सूचकांक केवल फरवरी, 1995 तक उपलब्ध है ।

Liberalisation in Andamans and Nicobar Islands

4415. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) wheher it is a fact that Andamans and Nicobar Islands have remained isolated from the liberalization process being carried on in the mainlands;

(b) whether it is also a fact that Hongkong-based NRIs and other industrialists have offered to take the resources of these island for their development but Government rejected them;

(c) if so, the reaction of Government to these facts;

(d) whether Government are considering to take action in these matters; and

(e) if so, when?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY) (a) to (e): The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Violation of fire

4416. SHRI GHUFRAN AZAM:
SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA:
SHRI G. Y. KRISHNAN:

Will the Minister of FINANCE be be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the bigger economic racket doing rounds in the money market of NRE accounts;

(b) if so the details thereof;

(c) whether such bunglings in NRE accounts are clearly violating the FERA; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) and (b) The Enfor-

cement Directorate has come across instances where Non-Resident External (NRE) accounts have been used for illegal business in foreign exchange. As a result of the investigations conducted by the said Directorate, 158 NRE accounts involving an amount of Rs. 120 crores have been identified.

(c) and (d) These transaction are violative of the provisions of sections 8 and 9 of Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (FERA).

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी कम्पनियां

4417. **श्री अजीत जोगी** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम द्वारा बढ़ते हुए भारतीय शेयर बाजार को देखते हुए अपनी रिपोर्ट में क्या-क्या मुख्य टिप्पणियां की गई हैं ;

(ख) भारतीय शेयर बाजार में किन-किन देशों ने रुचि ली है ;

(ग) क्या सरकार विदेशी पूंजी निवेशकर्ताओं को कोई विशेष रियायत/सुविधा प्रदान करेगी ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(ङ) गत एक वर्ष के दौरान किन भारतीय कम्पनियों ने अन्तर्राष्ट्रीय शेयर बाजार में सफलतापूर्वक प्रवेश किया है और इन कम्पनियों द्वारा किए गए कारोबार का ब्यौरा क्या है ।

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. वी. चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम द्वारा अपने पूंजी बाजार संबंधी अध्ययन में की गई प्रमुख टिप्पणियों में ये शामिल हैं—प्रतिभूतियों के लिए केन्द्रीय शोधन और निक्षेप प्रणाली की स्थापना, सभी सूचीबद्ध प्रतिभूतियों की निपटान अवधि में कमी, औसत बाजार भागों के बाजार मूल्यों की वृद्धि और कारोबार की वायदा प्रणाली की समाप्ति ।

(ख) विभिन्न देशों, जिनमें संयुक्त राज्य अमरीका, यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया और सिंगापुर शामिल हैं, के विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय स्टाक बाजारों में निवेश करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है ।

(ग) और (घ) विदेशी संस्थागत निवेशक लाभांश और ब्याज-आय पर 20 प्रतिशत दीर्घावधिक पूंजी लाभों पर 10 प्रतिशत (जहां धारिता की अवधि एक वर्ष से अधिक हो) और अल्पावधिक पूंजी लाभों पर 30 प्रतिशत की रियायती कर दरों के पात्र हैं । पोर्टफोलियों माध्यम के अन्तर्गत कोई एक विदेशी संस्थागत निवेशक किसी कम्पनी की निर्गमित पूंजी के 5 प्रतिशत तक का निवेश कर सकता है और सभी विदेशी संस्थागत निवेशक मिलकर तथा अनिवासी भारतीय प्रत्येक कम्पनी की निर्गमित पूंजी के 24 प्रतिशत की सीमा तक निवेश कर सकते हैं । निवेश संबंधी माहौल में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपाय निरन्तर जारी रहने वाली प्रक्रिया का भाग हैं ।

(ङ) निर्गमकर्ता कम्पनियों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को दी गई रिपोर्टों के अनुसार, वर्ष 1994–95 के दौरान 31 भारतीय कम्पनियों ने अन्तर्राष्ट्रीय स्टाक बाजारों में 2095.16 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के यूरो इश्यू सफलतापूर्वक जारी किए हैं । उनके नाम संलग्न विवरण में दिए गए हैं ।

विवरण

उन भारतीय कंपनियों के नाम जिन्होंने 1994–95 के दौरान सफलतापूर्वक यूरो इश्यू जारी किए हैं :—

1. मैसर्स सी०ई०एस०सी०लि०
2. मसर्स ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स आफ इंडिया लि०
3. मैसर्स डी०सी०डब्ल्यू० लि०
4. मैसर्स ग्रसिम इंडस्ट्रीज लि०
5. मैसर्स वल्लारपुर इंडस्ट्रीज लि०
6. मैसर्स कोर पेरन्टरल्ज लि०
7. मैसर्स ई०आई०डी० पैरी लि०
8. मैसर्स रैनवैक्सी लेबोरेटरीज़ लि०
9. मैसर्स हिन्डालको इंडस्ट्रीज़ लि०
10. मैसर्स टैलको लि०
11. मैसर्स फिनोलैक्स केबल्स लि०
12. मैसर्स डा० रेड्डीज़ लेबोरेटरीज़ लि०
13. मैसर्स एस०आई०बी० इंडस्ट्रीज़ लि०
14. मैसर्स संघी पोलिएस्टर्स लि०
15. मैसर्स जे०सी०टी० लि०
16. मैसर्स सेन्चुरी टैक्सटा ,ल मिल्स लि०
17. मैसर्स एस०पी०आई०सी० लि०